

भारत की राष्ट्रपति
श्रीमती द्रौपदी मुर्मु
का

AIIMS कल्याणी के प्रथम दीक्षांत समारोह में संबोधन

कल्याणी, 30 जुलाई, 2025

इस Institute of National Importance में आज दीक्षांत परंपरा का शुभारंभ हो रहा है। इस प्रथम दीक्षांत समारोह के साथ आपके संस्थान के इतिहास का प्रथम अध्याय सम्पन्न हो रहा है। इस ऐतिहासिक अवसर पर मैं AIIMS कल्याणी की पूरी टीम को साधुवाद देती हूँ।

आज उपाधि प्राप्त करने वाले सभी वद्यार्थियों को मैं बधाई देती हूँ। पदक प्राप्त करने वाले वद्यार्थियों के श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए मैं उनकी विशेष सराहना करती हूँ। वद्यार्थियों के डॉक्टर बनने के स्वप्न को साकार करने में मार्गदर्शन और प्रेरणा देने वाले प्राध्यापकों तथा अभिभावकों को भी मैं बधाई देती हूँ।

प्रिय वद्यार्थियो,

First batch के आप सभी वद्यार्थी इस संस्थान के senior-most alumni हैं। आप जो प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे उसके आधार पर AIIMS कल्याणी की पहचान बनेगी। इस प्रकार इस संस्थान के इतिहास में शामिल होने के साथ-साथ आप सब AIIMS कल्याणी के भवष्य-निर्माता भी हैं।

दीक्षांत अर्थात् औपचारिक शिक्षा के सम्पन्न होने के साथ-साथ हमारी परंपरा दक्ष होकर समाज में वापस लौटना। समावर्तन के साथ ही व्यावहारिक जीवन में प्रवेश का शुभारंभ होता था। आज आप सबका दीक्षांत भी है और आज से

ही आप सबका समावर्तन भी हो रहा है। लेकिन आपको यह याद रखना है क वद्या का अर्जन करना निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है।

वद्या प्राप्त करने की कामना रखने वाला वद्यार्थी कहलाता है। चकत्सा वज्ञान के क्षेत्र में नित नए बदलाव होते रहते हैं। अपने अंदर के वद्यार्थी को आप सदैव जीवंत बनाए रखए और नए शोध-अनुसन्धानों तथा चकत्सा पद्धतियों के बारे में जानकारी प्राप्त करते रहिए।

साधकम्' अर्थात् स्वास्थ्य के आधार पर अन्य सभी लक्ष्य प्राप्त कए जा सकते हैं। हमारी समावेशी संस्कृति में सबके कल्याण और उन्नति की कामना की जाती है। 'सर्वे संतु निरामयाः' यह प्रार्थना भी की जाती है। इस प्रार्थना का अर्थ है क सभी रोग-मुक्त रहें और आरोग्य लाभ करें। इस आदर्श को यथार्थ रूप देने की प्रमुख जिम्मेदारी आप जैसे डॉक्टरों की है। जो लोग साधन सम्पन्न नहीं हैं उनको स्वस्थ रखने की आपकी जिम्मेदारी और भी अधिक महत्वपूर्ण है।

आप सभी चकत्सा वज्ञान के वद्यार्थी हैं। लेकिन सबसे पहले आप भारत के सचेत नागरिक हैं। सभी कार्य-क्षेत्रों में सक्रय देशवासियों को हमारे देश की महान वरासत के बारे में जानकारी भी होनी चाहिए और गौरव भी। अपनी जन्मभूम, कर्मभूम और वद्या-स्थली की जानकारी भी होनी चाहिए। AIIMS कल्याणी, चैतन्य महाप्रभु की पवत्र जन्मस्थली के क्षेत्र में स्थित है। महाप्रभु यहां से ओड़शा गए और मुख्यतः जगन्नाथपुरी से उन्होंने अपना आध्यात्मिक संदेश प्रसारित किया। उन्नीसवीं सदी में भारत के नवजागरण में नदिया के सपूत दीनबंधु मत्र के नाटक 'नील दर्पण' की बहुत बड़ी भूमका थी। वह नाटक ब्रिटिश हुकूमत के अत्याचार तथा नील की खेती के लए ववश कए गए कसानों के कष्ट और संघर्ष की गाथा है। यह क्षेत्र स्वाधीनता सेनानी बाघा जतीन की महानता का साक्षी रहा है। उन्होंने उद्घोष किया था 'आमरा मोरबो, जगत जागबे'। ओड़शा के बालेश्वर में ब्रिटिश राज की सेना का सामना करते

हुए उन्होंने भारत माता की स्वाधीनता के लए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। बाघा जतीन के बलदान को, सभी देशवासियों के साथ, ओडशा के लोग, विशेष श्रद्धा के साथ स्मरण करते हैं। ओडशा में उनकी स्मृति में आयोजित कुछ कार्यक्रमों में शामिल होने का सौभाग्य मुझे भी प्राप्त हुआ है। यह क्षेत्र अनेक महान वभूतियों की जन्मस्थली या कर्मस्थली रहा है। मैं उन सभी प्रेरक वभूतियों की स्मृति को सादर नमन करती हूँ।

देवयो और सज्जनो,

आप सब इस तथ्य से शायद अवगत होंगे क इस क्षेत्र के विकास की आधारशला, महान राष्ट्र-निर्माता बिधान चन्द्र राय ने रखी थी जो एक बहुत बड़े डॉक्टर भी थे। उनके असाधारण योगदान के लए उन्हें भारत-रत्न से सम्मानित किया गया था। मुख्यमंत्री के रूप में अपने लंबे कार्यकाल के दौरान भी वे मरीजों की निशुल्क सेवा करते रहे। उनके सम्मान में हमारे देश में एक जुलाई को 'Doctors' Day' मनाया जाता है, जो संयोग से उनकी जन्मतिथ भी है और पुण्यतिथ भी है। ऐसे आदर्श Doctor-Chief Minister द्वारा स्थापित planned city कल्याणी में स्थित इस Institute से जुड़े सभी वद्यार्थियों, आचार्यों और प्रशासकों का लक्ष्य बहुत ऊंचा होना चाहिए। AIIMS कल्याणी को Institute of National Pride बनाने के संकल्प के साथ आप सभी young doctors की सेवा-यात्रा का शुभारंभ होना चाहिए। साथ ही गरीबों और वंचतों को निशुल्क चकत्सा-सेवा प्रदान करने का डॉक्टर बी.सी. राय का उदाहरण आपकी जीवन-यात्रा का मार्गदर्शक सद्धान्त होना चाहिए।

अपने सामाजिक उत्तरदायित्वों के प्रति सचेत डॉक्टरों ने राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है तथा अनेक उपलब्धियों में सीधा योगदान दिया है। Average Life Expectancy जो स्वाधीनता के समय केवल 32 वर्ष थी, अब दोगुने से अधिक होकर लगभग 70 वर्ष की हो चुकी है। टीकाकरण के क्षेत्र में पछले कुछ वर्षों में असाधारण प्रगति हुई है। अनेक बीमारियों पर काबू पाया गया है। उदाहरण के लए, आंख की बीमारी की रोकथाम और इलाज में

हुई सफलता के बल पर पछले वर्ष भारत को trachoma free घोषित किया गया है। लेकिन अभी भी अनेक ऐसी चुनौतियां हैं जिनका सामना करने में आप जैसे युवा डॉक्टरों की निर्णायक भूमिका रहेगी। Diabetes, heart ailments और obesity जैसी स्वास्थ्य-समस्याओं पर नियंत्रण करने में सरकार तथा अन्य भागीदारों से भी बड़ी भूमिका चकत्सकों की है।

प्रय वद्यार्थ्यो,

आप सबकी जीवन-शैली भी ऐसी होनी चाहिए जो सामान्य लोगों के लिए उदाहरण बने। Genetic manifestations की बात अलग है लेकिन समुचित आहार-वहार और जीवन-शैली के बल पर अधिकांश स्वास्थ्य समस्याओं को prevent किया जा सकता है या उनका काफी हद तक समाधान भी किया जा सकता है। आपके पास जो लोग चकत्सा के लिए आते हैं उन्हें आप सब दवा के अलावा जीवन-शैली से जुड़े परामर्श भी दें। डॉक्टर साहब जब कोई सलाह देते हैं तो उसका लोगों पर अधिक असर पड़ता है। डॉक्टर साहब जब स्वयं आदर्श प्रस्तुत करते हैं तो उसका और भी अधिक असर पड़ता है।

आप सबको अपने स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना है। Physician, heal thyself की पुरानी कहावत के बहुत से अर्थ निकाले जाते हैं। लेकिन इसका सबसे अधिक स्वीकृत भावार्थ यह है कि मसीहा यानी healer का यह पहला कर्तव्य है कि वह स्वयं को स्वस्थ रखे।

देवयो और सज्जनो,

मुझे बताया गया है कि आज उपाधि प्राप्त करने वाले वद्यार्थ्यों में जो अपनी higher medical education जारी रखेंगे वे तीन साल के लिए तथा अन्य वद्यार्थी एक साल के लिए junior resident doctor के रूप में काम करेंगे। Residency का मतलब ही होता है कि डॉक्टर अस्पताल में उपलब्ध रहें। कई कारणों से residency के दौरान बिना break लिए लगातार मरीजों के बीच रहकर काम करने को glorify किया जाता है। लेकिन अब medical

professionals इस बात पर ध्यान दे रहे हैं क कम सोने और लगातार काम करने से डॉक्टर की कार्य क्षमता और दक्षता पर बुरा असर पड़ता है। ऐसी स्थिति में न डॉक्टर की भलाई है और न ही मरीज की। कुछ resident doctor अधिक से अधिक अनुभव और जानकारी पाने के उत्साह में लगातार बिना आराम कए काम करने की आदत डाल लेते हैं। इस मुद्दे पर अध्ययन करने वाले वरिष्ठ शोधकर्ताओं ने यह सलाह दी है क long hours तथा lack of sleep युवा डॉक्टरों के लए लाभदायक नहीं हैं।

प्रय वदयार्थयो,

में एक बार फर आप सबको बधाई देती हूं। में यह मंगलकामना करती हूं क आप सब अपने संस्थान के लए गौरवशाली परम्पराओं का निर्माण करें तथा एक स्वस्थ और समृद्ध भारत के निर्माण में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।

धन्यवाद!

जय हिन्द!

जय भारत!